

# 8

## अंधेर नगरी

(नाटक)

### Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE

#### शब्द-ज्ञान

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप से रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- (क) ताजमहल की ..... हमें बाँध लेती है। (कारीगर)
- (ख) कोतवाल साहब की ..... धूम से निकली। (सवार)
- (ग) राजा की ..... के कारण ही उसे चौपट कहा गया है। (मूर्ख)
- (घ) नगरी की ..... ने शिष्य को बाँध लिया। (सुंदर)
- (ङ) बाढ़ ..... की सेवा में लगे लोगों की सभी ने प्रशंसा की। (पीड़ा)



## Grammar समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE व्याकरण

### 1. विलोम शब्दों का मिलान कीजिए—

शुभ	नरक
स्वर्ग	अशुभ
समर्थ	अनुपस्थित
गति	असमर्थ
उपस्थित	अगति
मूर्ख	अन्याय
न्याय	बुद्धिमान

### 2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द छाँटकर लिखिए—

जो माँगकर मिले	-	.....
जो राज करे	-	.....
जो सब्जी बेचती हो	-	.....
जो ज़्यादा बोलता हो	-	.....
जो बोलता न हो	-	.....



### 3. एक समान लगने वाले इन भिन्न शब्दों को अर्थ के अनुसार वाक्य में प्रयोग कीजिए—

(क) सेर	- तौल	-	.....
शेर	- एक जानवर	-	.....
(ख) प्रणाम	- नमस्कार	-	.....
प्रमाण	- सबूत	-	.....
(ग) बार	- दफ़ा	-	.....
वार	- दिवस	-	.....

## Writing Tasks **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment)** based on CCE लेखन-कार्य

1. किसने, किससे कहा? सही उत्तर में ✓ निशान लगाइए—

(क) मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे देता हूँ कि कभी संकट पड़े तो याद करना।

महंत ने गोवर्धन से



गोवर्धन ने महंत से



(ख) कारीगर ने ऐसी दीवार बनाई कि गिर पड़ी।

कल्लू ने राजा से



चूने वाले ने राजा से



(ग) स्वर्ग जाने में बूढ़ा-जवान क्या?

गोवर्धन ने महंत से



महंत ने गोवर्धन से



2. अति लघु उत्तर लिखिए—

(क) अँधेर नगरी की क्या विशेषता थी?

.....

(ख) कौन, किसका कहना न मानने से परेशान हुआ?

.....

3. लघु उत्तर लिखिए—

(क) नारायण दास और गोवर्धन दास में क्या अंतर था?

.....

.....

.....

(ख) इस नाटक के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है?

.....

.....

.....

4. दीर्घ उत्तर लिखिए—

इस नगरी का राजा 'चौपट' क्यों कहलाया?

.....

.....

.....

.....

.....



## Comprehension Passage

### लेखांश-बोध फॉर्मेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

जैसे हम दूर देश की यात्रा पर निकलने से पहले तैयारी करते हैं, वैसे ही परिंदे भी यात्रा पर निकलने से पहले तैयारी करना शुरू कर देते हैं। आकाश में सूरज व तारों की स्थिति देखकर परिंदों को इस बात का पता चल जाता है कि अब यात्रा पर निकलने का वक़्त आ गया है। यात्रा पर निकलने से पहले ही ये तय कर लेते हैं कि इन्हें कहाँ जाना है। सूरज व तारों की स्थिति व धरती के चुंबकीय क्षेत्र के सहारे ये सही दिशा का चुनाव करते हैं। जैसे ही इन्हें पता चलता है कि अब सरदियाँ बढ़ने वाली हैं और प्रवास के लिए दूर यात्रा पर निकलना है, वैसे ही ये अपने पुराने पंख गिरा देते हैं, ताकि नए पंख आ जाएँ। साथ ही ये अपनी सेहत के लिए खुराक बढ़ा देते हैं। यात्रा के दौरान ये कम खाकर भी आसानी से उड़ सकते हैं।

1. बहुवचन रूप लिखिए—

परिंदा = ..... यात्रा = ..... सरदी = .....

2. समान अर्थ लिखिए—

आकाश = ..... तय = ..... चुनाव = .....

3. प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) किसको देखकर परिंदों को पता चल जाता है कि यात्रा पर निकलने का वक़्त आ गया है?

.....  
.....

(ख) परिंदे सही दिशा का चुनाव कैसे करते हैं?

.....  
.....

(ग) सरदियाँ बढ़ने पर तथा दूर यात्रा पर निकलने के लिए परिंदे क्या करते हैं?

.....  
.....